हम कितने न सौभाग्यशाली जो सत्य ज्ञान हमें मिला...

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी गीता दीदी,माउण्ट आबू

गतांक से आगे...

ज्ञानी बनने के बाद जीवन का दूसरा स्तर, दूसरा फेज़ शुरू होता है। और वो है ज्ञानी से योगी बनना। जीवन का पहला फेज़ है अज्ञानी से ज्ञानी बनना और वो याद करो। ज्ञान में आने के प्रारम्भिक दिनों को आप याद करो। जो बाबा कहते हैं न कि बचपन के दिन भुला न देना। कितना परिवर्तन हुआ। पढ़े-लिखे लोग जो अंधश्रद्धा, गलत रस्में, गलत मान्यतायें, बिल्ली बीच में आयेगी तो ये हो जायेगा, मंगलवार को करेंगे तो ये हो जायेगा इस प्रकार की पता नहीं कितनी मान्यतायें हैं। वो सब परिवर्तन हो गई। तभी तो सुख का एहसास हुआ। क्यों ये जीवन हम सबने अपनाया। इस परिवर्तन से हम रिलेक्स हो गये। क्योंकि चिन्ताओं से, फिक्रों से सचमुच बाबा ने हमें मुक्त कर दिया। क्योंकि हम समझ गये हैं कि श्रेष्ठ कर्म अपने आप समृद्धि को, सहयोग को खींच के लाता है। हम समझ गये कि हम मालिक नहीं हैं, ट्रस्टी हैं। हम समझ गये कि गलत तरीके का समाधान नहीं चाहिए, सत्य तरीके का समाधान चाहिए। इसी को ज्ञान कहते हैं।

हमें सही तरीके से सबकुछ चाहिए जिसको बाबा श्रीमत कहते हैं। प्राप्ति तो इंसान गलत तरीकों से, गलत साधनों से करता है। पर बाबा कहते हैं कि ज्ञानी तू आत्मा को ऐसे ख्यालात आयेंगे ही नहीं, सोचेगी भी नहीं। हमें सरल, सात्विक, सादा जीवन पसंद है। इच्छाओं की पूर्ति के लिए गलत तरीके हमें पसंद नहीं। ये ज्ञान हमें सद्बुद्धि देता है। ये नित्य ज्ञान-योग का अध्ययन करने से समय पर शुभ विचार हमें आते हैं। जिनको रोज़ ज्ञान-योग का अभ्यास नहीं है उनको बातें, परिस्थितियां आने के समय सद्बुद्धि नहीं रहती है। सत्य विचार

ये नित्य ज्ञान-योग का अध्ययन करने से समय पर शुभ विचार हमें आते हैं। जिनको रोज़ ज्ञान-योग का अभ्यास नहीं है उनको बातें, परिस्थितियां आने के समय सद्बुद्धि नहीं रहती है। सत्य विचार नहीं आते हैं। इसलिए रोज़ हम जो पुरूषार्थ करते हैं वो व्यर्थ नहीं है, बहुत महत्वपूर्ण है।

नहीं आते हैं। इसलिए रोज़ हम जो पुरूषार्थ करते हैं वो व्यर्थ नहीं है, बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसलिए टाइम पर सही विचार हमें आते हैं और सेकंड फेज़ है कि ज्ञानी तू आत्मा बनने के बाद, ब्रह्मा मुख वंशावली बनने के बाद, मरजीवा बन, अलौकिक जीवन पाने के बाद जब एक लम्बा समय हम इस जीवन में चलते हैं, इस जीवन में जो बातें हमारे सामने आती हैं। मैं समझती हूँ कि जब हम स्व में स्थित हैं, ज्ञान स्वरूप हैं और बाबा से अटैच हैं तो हमें कोई भी बात समस्या नहीं लगेगी। सबसे पहली फीलिंग तो यही आयेगी क्योंकि हम मूल सत्य जानते हैं कि जो भी बात मेरे सामने आती है लौकिक से, अलौकिक से, प्रकृति से, समाज से बिना कारण नहीं आती है। मेरी तरफ से कोई कारण है, कोई भी जन्म का ऐसा हिसाब है तब वो बातें आती हैं और जब हम ये समझते हैं तो हमारा स्वयं के प्रति ही बुद्धियोग जाता है।

पहले कोई भी बात आती थी तो बहिर्मुख बुद्धि थी तो हम समझते थे कि इसके कारण प्रॉब्लम आती है, यही मेरे लिए विघ्न है, यही मेरे लिए रोड़ा बनते हैं। हम दूसरों को कारण समझते थे। आध्यात्मिकता हमें सेल्फ ओरिएंटेड(अपने बारे में सोचने वाला) बनाती है। हम स्व अभिमुख बनते हैं। इसलिए सब बात में हम स्वदर्शन करते हैं कि ये जो समस्या मेरे सामने आई है तो इसका कारण मैं तो नहीं हूँ या हूँ! निष्पक्ष होकर ज्ञान के आइने में खुद को देखो यदि मैं स्वयं कारण हूँ तो मुझे परिवर्तन करना है। अक्सर जब भी कोई परिस्थिति, समस्या विघ्न जो भी कहो वो जब आता है तो हम उसका समाधान बाहर खोजते हैं इससे मदद लूं, इसको बताऊं, ये ठीक करेगा। हम इसका समाधान बाहर खोजते हैं पर बाबा का ज्ञान हमें समझाता है कि जीवन की कई समस्याओं का कारण हम खुद ही होते हैं। हमारा बोलने का तरीका, व्यवहार गलत, संस्कार गलत, इच्छायें गलत कुछ भी,कई समस्याओं का कारण हम खुद ही होते हैं।

तो ये जो रोज़ ज्ञान-योग का अभ्यास है तो हम पहले स्वदर्शन करते हैं कि मैं तो कारण नहीं हूँ कहीं और मुझे अपने में क्या परिवर्तन करना है तो वो अपने आप सॉल्यूशन हो जाता है, समाधान हो जाता है।

- क्रमशः

नवसारी-लुणसीकुंज(गुज.)। मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. गीता बहन, शीतल सोनी,महिला प्रदेश मंत्री गुजरात राज्य भाजप, मीनाक्षी करमरकर,ॐ साई सेवा ट्रस्ट, ऋषिता ठाकुर,तपस्या नारी सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट तथा अन्य।

धमतरी-छ.ग.। काठमांडू नेपाल में एवरेस्ट बेस कैम्प में 5364 मीटर की चढ़ाई चढ़कर भारत का झंडा फहराने वाली विश्व में सबसे छोटी उम्र की क्लाइम्बर बन विश्व रिकॉर्ड करने वाली दिव्यांग चंचल सोनी एवं रजनी जोशी को ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में ब्र.कु. सरिता बहन ने हार, श्रीफल, मोमेंटो एवं विजय का तिलक देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मोहन लालवानी,पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष, शांति दामा एक्ज़ेक्ट फाउंडेशन की सदस्य, सुषमा नंदा तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

जबलपुर-म.प्र.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. हर गोविंद भाई,मा.आबू, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. साधना बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

चांगा-गुज.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'आज की शाम किसानों के नाम' विषयक भव्य संगीत संध्या में जलाराम मंदिर के प्रमुख अरविंद भाई, ब्र.कु. तरु बहन,वसो सेवाकेन्द्र संचालिका, भरत भाई आणद अमूल डेरी चेयरमैन, ब्र.कु. अर्पिता बहन, गांव के आगेवान किसान नीलेश भाई, ब्र.कु. दक्षा बहन,खेड़ा सेवाकेन्द्र संचालिका तथा गांव के 900 भाई-बहनें उपस्थित रहे।

राजकोट-अवधपुरी(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर आयोजित 'नर्स होने का गर्व' विषयक कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में सभी नर्स एवं ब्र.कु. रेखा बहन।

इंदौर-शीतल नगर(म.प्र.)। 'दया और करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम के उद्घाटन पश्चात् प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. आर.एन. मिश्रा एवं समाजसेवी एग्ज़िक्युटिव इंजीनियर मोहनलाल शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए रामबाग सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. छाया बहन तथा ब्र.कु. चन्द्रकला बहन।

बैतूल-बालाजीपुरम रोड(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित भाग्यविधाता भवन सेवाकेन्द्र में बच्चों के नैतिक एवं चारित्रिक विकास के लिए आयोजित छः दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर में महिला बाल विकास विभाग की नीरजा शर्मा, कोतवाली थाना प्रभारी अपाला सिंह, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मंजू दीदी, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. सुनीता दीदी, ब्र.कु. सोनम दीदी,गुजरात, ब्र.कु. नंदकिशोर, नवोदय विद्यालय के स्पोर्ट्स टीचर कमलेश देवकते, शासकीय विद्यालय सारणी से नेहा डेहरिया, आयुषी चौरसिया, ब्र.कु. हेमलता आदि उपस्थित रहे। इस दौरान बच्चों को विभिन्न एक्टिविटीज़ कराई गई एवं विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

शांति सरोवर-हैदराबाद। ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े बच्चों के सशक्तिकरण हेतु आयोजित 12वें 'गोल्डन वर्ल्ड ऑफ किड्स' कार्यक्रम में शांति सरोवर की निदेशिका ब्र.कु. कुलदीप दीदी के निर्देशन में रितु बन, शांतनु भाई, सुमनलता बहन एवं मीनाक्षी बहन द्वारा बच्चों के विभिन्न सत्र लिये गये। इस दौरान बच्चों के लिए विभिन्न एक्टिविटीज़ एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आ.प्र. एवं तेलंगाना के 160 बीके बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कोरबा-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत 'सुरक्षित भारत सड़क सुरक्षा मोटरसाइकिल यात्रा' अभियान के तहत चौरसिया पेट्रोल पंप में कार्यक्रम के आयोजन पश्चात् पेट्रोल पंप की संचालिका रितु चौरसिया को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. जीतेश्वरी बहन व ब्र.कु. लीना बहन।

इंदौर-कालानी नगर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बच्चों के नैतिक एवं चारित्रिक विकास के लिए आयोजित सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर में ब्र.कु. दीवान भाई,मा.आबू, लिटिल अलकेमिस्ट स्कूल की डायरेक्टर मधु जैन, ज्ञान सरोवर अकादमी के डायरेक्टर अशोक सोलंकी, शासकीय विद्यालय सहायक अध्यापिका कृष्णा सिसोदिया, वेदांश इंटरनेशनल स्कूल की अध्यापिका दीपिका सोनी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. जयंती दीदी आदि उपस्थित रहे। इस दौरान बच्चों को विभिन्न एक्टिविटीज़ कराई गई एवं विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

देवलाली-नासिक(महा.)। देवलाली रोट्री क्लब, देवलाली इनर व्हील क्लब एवं देवलाली जनकल्याण फाउण्डेशन द्वारा संयुक्त रूप से पूज सिंधी पंचायत हॉल में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में ब्र.कु. हुसैन बहन,ओआरसी गुरुग्राम तथा ब्र.कु. वासंती दीदी,उपक्षेत्रीय निदेशिका,ब्रह्माकुमारीज़,नासिक ने सम्बोधित किया एवं राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। इस मौके पर सिंधी पंचायत अध्यक्ष रतन चावला, उपाध्यक्ष मनोहर कृष्णानी, ब्र.कु. दिलीप बोरसे, रोट्री क्लब के सदस्य अनंत अथानी, हितेश करिया, सुंदरमन, अशोक शिरगांवकर, रोट्री क्लब देवलाली की अध्यक्ष नंदिनी करिया, श्रीमति मनीषा दोशी, देवलाली इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष श्रीमति संध्या सुंदरमन, इनर व्हील क्लब की संस्थापक सदस्य निवेदिता अथानी, देवलाली जनकल्याण फाउण्डेशन की अध्यक्ष श्रीमति नाज़नीन तारवाला आदि गणमान्य लोगों सहित ब्र.कु. गोदावरी बहन, ब्र.कु. मीरा बहन, ब्र.कु. शक्ति बहन, ब्र.कु. पूनम बहन, ब्र.कु. कावेरी बहन, ब्र.कु. मेघा बहन, ब्र.कु. प्रिया बहन आदि भी उपस्थित रहे।